www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल...
3 सिर्फ एक योगासन और पाएं पूरी...
4 ग्रीन पीस नेचर फाउंडेशन का पांचवां स्थापना...

वर्ष: 10 | अंक: 80 | दिल्ली, सोमवार, 12 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश की प्रसिद्ध पुंगनूर गाय बनी आकर्षण का केंद्र

एसबी संवाददाता/भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को जम्बूरी मैदान, भोपाल में आयोजित कृषक कल्याण वर्ष-2026 के शुभारंभ अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में गिर, साहीवाल, थारपारकर तथा आंध्र प्रदेश की प्रसिद्ध पुंगनूर गाय की प्रदर्शनी लगाई गई। पुंगनूर गाय विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार के संबंध में जागरूक किया गया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जम्बूरी मैदान में 5 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनके माध्यम से किसानों और पशुपालकों को भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम स्थल पर गोबर से निर्मित उत्पादों जैसे राम दरबार, महाकाल प्रतिमा, पंचगव्य उत्पाद, पूजा-पाठ सामग्री एवं सौंदर्य प्रसाधनों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके साथ ही विभाग द्वारा मुर्गीपालन एवं पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के प्रसिद्ध कड़कनाथ मुर्गा एवं बकरी की विभिन्न प्रजातियों का सजीव प्रदर्शन किया गया।

शिक्षा के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे से ही बनेगा सशक्त हरियाणा-महिपाल ढांडा

एसबी संवाददाता/चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने जिला नूंह के खंड पिनगवां के गांव हिंगनपुर में एक करोड़ 37 लाख की लागत से बने राजकीय प्राथमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने गांव के मिडिल स्कूल को हाई स्कूल तक अपग्रेड करने की घोषणा भी की। साथ ही स्कूल तक आने वाले रास्ते के निर्माण तथा पास के गांव औथा में स्थित 12वीं तक के विद्यालय का नाम कारगिल युद्ध में शहीद नसरुद्दीन के नाम पर रखने की भी घोषणा की। उद्घाटन के उपरांत ग्रामीणों को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक एवं सुरक्षित शिक्षा वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संजना भारती/पीआईबी

गुजरात। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि 2026 की शुरूआत के बाद गुजरात की यह उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि आज सुबह उन्होंने भगवान सोमनाथ के दिव्य दर्शन किए और अब वे राजकोट के इस भव्य कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हर तरफ "विकास भी, विरासत भी" का मंत्र गूंज रहा है। प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया भर से वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट में भाग लेने आए सभी सहयोगियों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वाइब्रेंट गुजरात समिट के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जब भी इस सम्मेलन का मंच सजता है, तो वे इसे केवल एक कार्यक्रम के तौर पर नहीं देखते। उनके लिए यह 21वीं सदी के आधुनिक भारत की वह गौरवशाली यात्रा है, जो एक सपने के साथ शुरू हुई थी और आज अटल विश्वास के शिखर पर पहुँच चुकी है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पिछले दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात की यह यात्रा एक वैश्विक मानक बन गई है। उन्होंने कहा कि अब तक आयोजित इसके दस संस्करणों ने न केवल इस

शिखर सम्मेलन की पहचान को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है, बल्कि वैश्विक पटल पर इसकी भूमिका को भी निरंतर सशक्त किया है।

वाइब्रेंट गुजरात समिट के साथ अपने पहले दिन से जुड़ाव को याद करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसके बदलते स्वरूप पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शुरूआती दौर में इसका लक्ष्य दुनिया को गुजरात की क्षमताओं से परिचित कराना था, ताकि लोग यहाँ आएँ, निवेश करें और इससे भारत के साथ-साथ वैश्विक निवेशकों को भी लाभ हो। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज यह सम्मेलन केवल निवेश तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक विकास, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी का एक सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने रेखांकित किया कि पिछले वर्षों में वैश्विक भागीदारों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है, जो इस सम्मेलन के समावेशी स्वरूप का एक बड़ा प्रमाण है। श्री मोदी ने कहा कि आज इस मंच पर कॉर्पोरेट समूह, सहकारी संस्थाएं, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, मल्टीलेटरल और बाइलेटरल संगठन तथा अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान-सभी एक साथ आते हैं। वे यहाँ न केवल संवाद और चर्चा करते हैं, बल्कि गुजरात की विकास यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात समिट ने लगातार कुछ नया और विशेष पेश करने की परंपरा कायम रखी है। उन्होंने कहा कि इसी कड़ी में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट इस परंपरा का एक और उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गुजरात के विभिन्न हिस्सों में छिपी हुई अप्रयुक्त क्षमताओं को परफॉर्मेंस में बदलना है। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि गुजरात के हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट ताकत है। कहीं विशाल कोस्टल लाइन की शक्ति है, तो कहीं एक लंबी ट्राइबल बेल्ट का विस्तार है। कहीं औद्योगिक क्लस्टरों का एक बड़ा इकोसिस्टम है, तो कहीं खेती और पशुपालन की समृद्ध परंपरा है।

दिल्ली देहात का विकसित दिल्ली लक्ष्य में होगा अहम योगदान: रविन्द्र इन्द्राज

स्पोर्ट्स स्टेडियम और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की मिलेगी सौगात

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली देहात पूर्ववर्ती सरकार के 11 वर्षों में विकास की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन अब सरकार ठोस नीति, बेहतर कनेक्टिविटी और खेलों के माध्यम से दिल्ली देहात की सूरत बदलने की योजनाओं पर काम कर रही है। यह बात समाज कल्याण मंत्री श्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मीडिया से संवाद के दौरान कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात का विकसित दिल्ली लक्ष्य में अहम योगदान होगा।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि बवाना के पूंठ कला में 7.79 करोड़ रुपए की लागत से नया सामुदायिक केंद्र भवन बनेगा एवं अन्य विकास कार्य होंगे।

श्री इन्द्राज ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के उलट पिछले 11 माह में दिल्ली की कार्य संस्कृति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी तक आम दिल्लीवासी और जनप्रतिनिधियों की सीधी पहुँच है, जो सुशासन का प्रमाण है।

श्री इन्द्राज ने कहा कि अर्बन एक्सटेंशन रोड के बाद बसों और मेट्रो के विस्तार का लाभ भी दिल्ली देहात क्षेत्र को मिलेगा, जिससे आवागमन सुगम होगा और नए अवसर सृजित होंगे। सरकार का उद्देश्य है कि दिल्ली देहात के हर कोने में लास्ट माइल कनेक्टिविटी हो। उन्होंने कहा कि पोषण के लिए अटल कैंटीन, इलाज के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लाभ देहात क्षेत्र एवं जेजे कॉलोनी को भी मिल रहा है।

इन क्षेत्रों में बुनियादी विकास के लिए 700 करोड़ रुपये की योजनाओं के अलावा एससी बस्ती सुधार योजना का लाभ भी मिल रहा है। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड को पुनर्जीवित कर 1715 करोड़ रुपये की 776 विकास परियोजनाओं पर कार्य होंगे।

समाज कल्याण मंत्री ने बवाना स्टेडियम में आयोजित दिल्ली मास्टर्स एथलेटिक्स मीट के अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साह भी बढ़ाया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की सौगात देने की योजनाओं पर काम कर रही है। इससे न केवल युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि दिल्ली देहात की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के ओलम्पिक एवं पैरा-ओलंपिक खेलों के स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 7 करोड़, 5 करोड़ और 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने के फैसले से भी खिलाड़ियों में उत्साह है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चरण कंवल साहिब माछीवाड़ा गुरुद्वारा साहिब में टेका माथा

प्राचीन श्री मुक्तेश्वर शिव मंदिर चहिला में भी पूजा अर्चना कर किया जलाभिषेक

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को अपने पंजाब दौरे के दौरान ऐतिहासिक गुरुद्वारा चरण कंवल साहिब, माछीवाड़ा, लुधियाना पहुंचकर माथा टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस पवित्र स्थल पर आकर वे स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक स्थान है जहां दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने आकर कठोर तपस्या की थी और देश व समाज को धर्म, साहस और मानवता की शिक्षा दी थी। उन्होंने कहा कि गुरुओं ने सदैव समाज और देश की भलाई के लिए संघर्ष किया और महान बलिदान दिए। हमें उनकी शिक्षाओं और उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के चरण पड़े और उन्होंने यहां रहकर समाज

को दिशा दी, ऐसे पावन स्थल को नजदीक से देखने और शीश नवाने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर गुरुओं ने कुर्बानियां न दी होती, तो आज हमारा इतिहास कुछ और ही होता। गुरुओं ने किसी एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि सर्व समाज और पूरे देश के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिया। उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय-समय पर उन्हें गुरुओं की पवित्र भूमि पर आने का अवसर मिलता रहा है।

एक अन्य प्रश्न पर श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए गलत बयानबाजी करते हैं, जो बिल्कुल अनुचित है। गुरुओं को लेकर ऐसी भाषा न तो बोलनी चाहिए और न ही सोचनी चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा इस प्रकार की बातें करना निंदनीय है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू, मुख्यमंत्री के ओएसडी डॉ. प्रभलीन सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी प्रधान जसबीर सिंह, हेड ग्रंथी ज्ञानी हरचरण सिंह भी मौजूद रहे।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्राचीन श्री मुक्तेश्वर शिव मंदिर (मुक्तिधाम) चहिला में जाकर पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया और देशवासियों की समृद्धि की कामना करते हुए ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधायक योगेन्द्र राणा ने किया लगभग साढ़े 4 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता

असंध। असंध विधायक योगेन्द्र राणा ने हल्का असंध के गाँव खेड़ी मुनक, बाल राजपूतान सहित गाँव औंगद में किया विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं शुभारंभ।

क्षेत्र के विकास की कड़ी में प्रारंभ हुए इस नए वर्ष में विधायक योगेन्द्र राणा निरंतर विकास कार्यों का शुभारंभ कर उन्हे क्षेत्रवासियों को समर्पित कर रहे है, इसे क्रम में विधायक योगेन्द्र राणा ने रविवार को ग्राम खेड़ी मुनक, बाल राजपुतान और औंगद में विकास कार्यों की नींव रखी।

इस अवसर पर विधायक ने खेड़ी मुनक में लगभग 20.84 लाख की लागत से सामुदायिक भवन, लगभग 20 लाख की लागत से महाराणा प्रताप भवन का कार्य, गाँव बाल राजपुतान में 11 लाख की लागत से बीसी चौपाल, 10 लाख की लागत से व्यायामशाला के फुटपाथ, 54 लाख की लागत से नाला निर्माण सहित ग्राम औंगद में लगभग 3 करोड़ 50 लाख की लागत के विभिन्न कार्य जिनमे लगभग 1 करोड़ 50 लाख की लागत से गाँव की लगभग 36 गलियों का निर्माण, लगभग 92 लाख रुपये कुरुक्षेत्र तीर्थ विकास बोर्ड द्वारा विकास हेतु, 35 लाख 35 हजार रुपये से श्मशान घाट का कार्य, 6 लाख 47 हजार से महाराणा प्रताप स्कूल के पास चारदिवारी, 10 लाख से वाल्मीकि घाट की चारदीवारी का कार्य, 3 लाख रुपये से सविता पंच की गली निर्माण, लगभग 2 लाख 50 हजार से लोहार चौपाल का निर्माण सहित 6 लाख रुपये की लागत से पूर्व सरपंच विष्णु के डेरे के रास्ते सहित लगभग 4 करोड़ 21 लाख 16 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया इस अवसर पर ग्राम पंचायत औंगद को डोर टू डोर कचड़ा उठाने के उद्देश्य से ट्रैक्टर ट्रॉली उपलब्ध करायी।

इस अवसर पर विधायक ने अपने सम्बोधन में कहा कि क्षेत्र के विकास से जुड़े जो भी कार्य संज्ञान में लाए गए है या लाए जाएंगे उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा तथा हल्के के विकास से जुड़े प्रत्येक कार्य को मानक अनुरूप पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा कराया जाएगा।

इस अवसर पर असंध मार्केट समिति चेयरमैन प्रवीण राणा, जुंडला मार्किट समिति चेयरमैन सुशील शर्मा, सरपंच खेड़ी मुनक गौरव राणा, सरपंच बाल राजपूतान सुरजीत राणा, सरपंच प्रतिनिधि औंगद रोहताश व बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संघ ने देश की हर विपत्ति में त्याग व समर्पण से किया कार्य: रामेश्वर दास

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शताब्दी वर्ष के अंतर्गत करनाल के सेक्टर-9 स्थित श्रीकृष्ण कृपा धाम में शनिवार को प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला करनाल के लगभग 250 प्रमुख नागरिकों ने सहभागिता की।

गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य रामेश्वर दास एवं राष्ट्रीय सेविका समिति की प्रांत सेवा प्रमुख श्रीमती पदमेश मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेडक्रॉस हरियाणा के राज्य सचिव डॉ. सुनील कुमार ने की, जबकि जिला संघचालक डॉ. भरत ठाकुर मार्गदर्शक के रूप में मौजूद रहे।

मुख्य वक्ता रामेश्वर दास ने संघ की 100 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ केवल दीप नहीं जलाता, बल्कि जीवन को प्रकाशमान करता है।

उन्होंने कहा कि देश पर आई प्रत्येक विपत्ति के समय संघ के स्वयंसेवकों ने त्याग और समर्पण भाव से सेवा कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि इन 100 वर्षों में संघ से जुड़े अनेक अनुषांगिक संगठन खड़े हुए हैं, जिनमें विश्व हिंदू परिषद, भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ, भारतीय विकास परिषद और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रमुख हैं। उन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण में संघ की भूमिका का भी उल्लेख करते हुए कहा कि संघ ने सदैव समाज और राष्ट्र को सकारात्मक दिशा देने का कार्य किया है।

दूसरी वक्ता श्रीमती पदमेश ने संघ के शताब्दी वर्ष में प्रस्तावित पंच परिवर्तन की जानकारी दी। उन्होंने नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय ध्वज और कानूनों का सम्मान व पालन करना चाहिए।

अध्यक्षीय भाषण में डॉ. सुनील कुमार ने राष्ट्र निर्माण में लगे स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संघ वही करता है, जो समाज चाहता है। कार्यक्रम के अंत में जिला संघचालक डॉ. भरत ठाकुर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में प्रांत प्रचारक डॉ. सुरेन्द्र पाल, सूचना ब्यूरो से सेवानिवृत्त जीवन कुमार, ग्रुप कैप्टन प्रमोद सिंह, एनडीआरआई के मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार टोंक, सर्व ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, हार्टिकल्चर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के देवेंद्र मलिक, आर्य केंद्रीय सभा के प्रधान प्रो. आनंद सिंह, न्यूरोसर्जन डॉ. लोकेश महाजन, कबड्डी कोच नरेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

1101 ट्रैक्टरों की ऐतिहासिक रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

भोपाल (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रेक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रेक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजता और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 1,746 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे, पंजाब पुलिस को किया मजबूत

एसबी संवाददाता

जालंधर। जब अधिकांश राज्यों में युवाओं के लिए सरकारी नौकरी एक खूबसूरत सपना बनकर रह गई है, तब पंजाब इसके विपरीत तस्वीर पेश कर रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर के पीएपी ग्राउंड में 1,746 पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए, जो एक रिकॉर्ड है और यह घोषणाओं के बजाय परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण को दशार्ता है।

पंजाब सरकार 16 मार्च 2022 से औसतन प्रतिदिन 45 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ प्रदान कर रही है, जिससे चार वर्षों से भी कम समय में 63,027 नियुक्तियाँ कर इतिहास रचा गया है। यह सामूहिक भर्ती न केवल पंजाब पुलिस को मजबूत करती है, बल्कि योग्यता-आधारित और पारदर्शी भर्ती के स्पष्ट संदेश को भी सुदृढ़ करती है। साथ ही, नव-शामिल बल को नशों, साइबर अपराध और गैंगस्टरों के खिलाफ लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रविवार को पंजाब पुलिस के सशस्त्र और जिला कैडर के 1,746 कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह अत्यंत गर्व और संतोष की बात है कि इस सरकार के कार्यकाल के दौरान कुछ युवाओं ने दो या तीन सरकारी नौकरियाँ भी प्राप्त की हैं। अपने कार्यकाल के पहले दिन से ही मैंने यह सुनिश्चित किया कि योग्य युवाओं को उनका हक मिले और इसी कारण अब तक 63,027 युवाओं को सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं।

सम्पादकीय

पवार परिवार की चाल से महाराष्ट्र की राजनीति में आया नया मोड़

महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय से चली आ रही राकांपा की पारिवारिक और राजनीतिक फूट पर फिलहाल विराम के संकेत मिलते दिख रहे हैं। दरअसल, पुणे और पिंपरी चिंचवड नगर निगम चुनावों को ध्यान में रखते हुए राकांपा के दोनों गुटों ने संयुक्त घोषणापत्र जारी किया है। यह वही राकांपा है जो बीते डेढ़ वर्ष से दो हिस्सों में बंटी हुई थी और एक दूसरे के खिलाफ आक्रामक राजनीति कर रही थी। संयुक्त घोषणापत्र में गड्ढा मुक्त सड़कें, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, नागरिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, जल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था और सार्वजनिक परिवहन जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी गई है। यह घोषणापत्र स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित है लेकिन इसका राजनीतिक संदेश दूर तक जाता है। घोषणापत्र जारी करने के मौके पर दोनों गुटों के नेताओं का एक साथ मंच साझा करना अपने आप में असाधारण दृश्य रहा। अजित पवार ने इस दौरान कहा कि पारिवारिक तनाव समाप्त हो चुके हैं और दोनों पक्षों के कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी फिर से एकजुट हो। उन्होंने संकेत दिया कि फिलहाल नगर निगम चुनावों में साथ आने का निर्णय लिया गया है लेकिन भविष्य में राजनीतिक एकता की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। शरद पवार गुट की ओर से भी बयानबाजी का स्वर बदला हुआ नजर आया। तल्खी की जगह संयम और आक्रामकता की जगह राजनीतिक परिपक्वता दिखाई दी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह केवल स्थानीय तालमेल नहीं बल्कि सोची समझी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। इस घटनाक्रम ने न केवल महाराष्ट्र बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। क्योंकि राकांपा का एक गुट सत्तारुढ़ गठबंधन एनडीए में है जबकि दूसरा गुट विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा माना जाता है। ऐसे में दोनों का साथ आना राजनीतिक समीकरणों को हिलाने वाला कदम है। देखा जाये तो महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर यह साबित कर रही है कि यहां विचारधारा नहीं बल्कि सत्ता ही अंतिम सत्य है। राकांपा का विभाजन किसी वैचारिक मतभेद का परिणाम नहीं था बल्कि सत्ता के समीकरणों की उपज था। अब दोनों गुटों का एक मंच पर आना भी किसी आत्ममंथन का नहीं बल्कि सत्ता की मजबूरी का नतीजा है। संयुक्त घोषणापत्र स्थानीय विकास के नाम पर जारी किया गया है लेकिन इसका असली मकसद कार्यकर्ताओं को यह संकेत देना है कि पवार परिवार की सियासी दरार भर रही है। यह संदेश जितना नीचे तक जाएगा, उतना ही तेजी से राजनीतिक गणित बदलेगा। यदि राकांपा के दोनों गुट पूरी तरह से एक हो जाते हैं तो इसका पहला और सीधा असर महाराष्ट्र की राजनीति पर पड़ेगा। अजित पवार का एनडीए के साथ रहना तब अर्थहीन हो जाएगा जब पार्टी की कमान फिर से एकजुट होकर शरद पवार के प्रभाव क्षेत्र में लौटेगी। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए यह घटनाक्रम जीवनदान जैसा हो सकता है। महाराष्ट्र जैसे निर्णायक राज्य में यदि राकांपा एकजुट होकर विपक्षी खेमे में मजबूती से खड़ी होती है तो यह न केवल विधानसभा बल्कि लोकसभा स्तर पर भी भाजपा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी बिखराव रही है और पवारों का साथ आना इस कमजोरी पर मरहम बन सकता है। हालांकि अजित पवार पार्टी की कमान चाचा शरद पवार को वापस सौंपेंगे इसकी संभावना नगण्य ही है। लेकिन यह तस्वीर का एक ही पहलू है। दूसरा पहलू उतना ही खतरनाक है। यदि राकांपा की एकता केवल नगर निगम और सीमित राजनीतिक सौदे तक सिमटी रहती है तो इससे विपक्षी गठबंधन इंडिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचेगा। जनता पहले ही अवसरवादी राजनीति से त्रस्त है और ऐसे प्रयोग उस अविश्वास को और गहरा करेंगे। एनडीए के लिए यह स्थिति असहज करने वाली है। जिस अजित पवार को सत्ता संतुलन के लिए साथ लिया गया था वही यदि पारिवारिक एकता के नाम पर अलग दिशा में चले जाते हैं तो यह गठबंधन की कमजोरी उजागर करेगा। यह संदेश जाएगा कि सत्ता के लिए बनाए गए गठबंधन टिकाऊ नहीं होते। बहरहाल, राकांपा का यह संयुक्त कदम महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरूआत है। यह अध्याय एकता, विश्वास और स्थायित्व की ओर जाएगा या फिर अवसरवाद और अस्थायी समझौतों की कहानी बनेगा, यह आने वाले चुनाव तय करेंगे। लेकिन इतना तय है कि पवार परिवार की हर चाल पूरे राजनीतिक शतरंज को हिला देने की ताकत रखती है।

जयंती

नेली सेनगुप्त

जन्म-12 जनवरी, 1886, केम्ब्रिज (इंग्लैंड), मृत्यु-23 अक्टूबर, 1973, कोलकाता, को 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' में योगदान देने और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए जाना जाता है। वे महात्मा गाँधी के 'असहयोग आन्दोलन' में भाग लेने वाले यतीन्द्र मोहन सेनगुप्त की पत्नी थीं। नेली सेनगुप्त ने वर्ष 1933 की कोलकाता कांग्रेस की अध्यक्षता भी की। उन्हें 1940 और 1946 में निर्विरोध 'बंगाल असेम्बली' की सदस्य भी चुना गया था।

पुण्यतिथि

कुमार गंधर्व

जन्म: 8 अप्रैल, 1924; मृत्यु: 12 जनवरी, 1992, भारत के सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, जिनका वास्तविक नाम 'शिवपुत्र सिद्धरामैया कोमकाली' है। पंडित कुमार गंधर्व एक भारतीय शास्त्रीय गायक थे, जो अपनी अनूठी गायन शैली और किसी भी घराने की परंपरा से बंधे रहने से इनकार करने के लिए जाने जाते थे। पंडित कुमार गंधर्व को सन 1977 में भारत सरकार द्वारा कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। वह मध्य प्रदेश से हैं। आज उनके राग मधसुरजा, अहिमोहिनी, सहेली, तोड़ी, बीहड़ भैरव, लगन गंधार, संजरी और मालवती जैसे कई राग संगीतकारों द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार और अभ्यास किये जाते हैं। कुमार गंधर्व एक प्रसिद्ध भारतीय गायक थे जिन्होंने कई संत कवियों के पदों का गायन किया। इनमें सूरदास जी और कबीरदास जी के पद प्रमुख हैं।

कल मिलेंगे

राजू-डॉक्टर साहब, मैं बहुत खुश रहता हूं,
नींद भी अच्छे से आती है, जिंदगी में अमन ही अमन है
हर काम में दिल भी लगता है,
कोई परेशानी नहीं है, ऐसा क्यूं?
डॉक्टर-मैं आप की बीमारी समझ गया हूं,
आपकी जिंदगी में विटामिन she की कमी है....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर प्रभाव पड़ेगा? समझिए इसके सियासी मायने

-कमलेश पांडेय

> ईडी ने 7-8 जनवरी 2026 को कोलकाता और दिल्ली में आई-पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के 10 ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद ही छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बाधा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दृष्टिगत राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो केंद्र में सत्तारूढ़ है, के बीच जिस तरह की सियासी जंग छिड़ी हुई है; केंद्र व राज्य की प्रशासनिक मिशनरियों के दुरूपयोग की बातें सुनी जा रही हैं, उससे साफ है कि दिल्ली की तत्कालीन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल की ही तरह पश्चिम बंगाल की मौजूदा मुखिया ममता बनर्जी को उनके पद से हटाकर ही भाजपा रहेगी। यही वजह है कि भाजपा ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को शह प्रदान करने वाली कंपनी आई-पैक की नकेल कसने का निश्चय किया है और अपनी प्रशासनिक प्रभाव वाली मिशनरी ईडी को उसके पीछे लगा दिया है, जैसा कि आरोपी लगते आये हैं। तभी तो टीएमसी और ईडी के बीच कोयला तस्करी से जुड़े आई-पैक छापों पर विवाद तेज हो गया है, जहां ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी पर चुनावी डेटा चोरी का आरोप लगाया है। वहीं, ईडी का दावा है कि ममता ने जांच में बाधा डाली और महत्वपूर्ण दस्तावेज ले लिए। देखा जाए तो यह विवाद 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र-राज्य टकराव को उभार रहा है।

बताते चलें कि ईडी ने 7-8 जनवरी 2026 को कोलकाता और दिल्ली में आई-पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के 10 ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुई मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद ही छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बाधा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। वहीं, टीएमसी ने भी कोर्ट में ईडी पर राजनीतिक डेटा चुराने का केस ठोका, जबकि कोलकाता पुलिस ने ईडी के खिलाफ दो मामले दर्ज किए।

इस प्रकार उक्त विवाद का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट है। कुलमिलाकर यह विवाद टीएमसी को 'केंद्र की साजिश' का शिकार दिखाने में मदद कर रहा है, जो उसके वोट बैंक को एकजुट कर सकता है। जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार उजागर करने का मौका मान रही है, खासकर पुराने घोटालों (स्कूल जॉब्स, पीडीएस) के बाद। वहीं अन्य विपक्षी दल जैसे कांग्रेस और आप टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि सीपीआई(एम) इसे स्टेज्ड ड्रामा बता रहा है।

इससे पुनः यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ यह राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामा किसके पक्ष में जाएगा? शायद टीएमसी के पक्ष में, क्योंकि इस विवाद से भी ममता की 'संघर्षरत नेता' की छवि मजबूत हो रही है। वहीं, जिस तरह से नई दिल्ली में टीएमसी सांसदों के प्रदर्शन से इंडिया गठबंधन को मजबूती मिली है, उससे साफ है कि चुनावी डेटा चोरी का नैरेटिव मुस्लिम-दलित वोटों को पुनः लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही एकजुट कर सकता है। क्योंकि टीएमसी को वोट एकीकरण में मदद मिलेगी, उसकी केंद्र-विरोधी नैरेटिव मजबूत होगी। यह बात दीगर है कि यदि कोर्ट में हार मिली तो इससे उनकी छवि को धक्का पहुंचेगा।

हालांकि, भाजपा के पक्ष में सकारात्मक बात यह है कि यदि ईडी कोयला घोटाले में ठोस सबूत लाती है, तो टीएमसी नेताओं (अभिषेक बनर्जी से जुड़े केस) पर दबाव बनेगा और भाजपा 'विकास vs भ्रष्टाचार' पर हमला बोल सकेगी। वहीं, कोर्ट फैसला भाजपा को नैतिक ऊंचाई दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो, जैसा कि दिल्ली का अनुभव चुगली कर रहा है कि केजरीवाल के बाद ममता का सियासी शिकार करके ही भाजपा दम लेगी। क्योंकि भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक्सपोजर पा जाएगी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सफल होगी, जबकि जोखिम यह है कि उसपर एजेंसी दुरुपयोग का आरोप पुष्ट होगा, जिससे जनता का मूड बदला तो उसे लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सुलगता सवाल है कि आखिर इस विवाद का चुनावी प्रभाव पश्चिम बंगाल पर कितना होगा? तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद पश्चिम बंगाल के अप्रैल 2026 विधानसभा चुनावों पर सीमित, लेकिन लक्षित प्रभाव डाल सकता है, खासकर करीबी सीटों (लगभग 90) पर जहां वोट अंतर कम है। यह केंद्र-राज्य टकराव को तेज कर टीएमसी को 'पीड़ित' की छवि दे रहा है, लेकिन लंबे समय तक भ्रष्टाचार के आरोपों से उसकी साख को नुकसान पहुंचा सकता है। जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम-दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की 'साजिश के खिलाफ लड़ाई' वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर 5-10 सीटें बचा सकता है। हालांकि, कोयला घोटाले जैसे पुराने केस दोहराने से शहरी/मध्यम वर्ग में असंतोष बढ़ेगा।

जहां तक भाजपा पर प्रभाव की बात है तो भाजपा को भ्रष्टाचार उजागर करने का नैरेटिव मिला है, जो उसके 'परिवर्तन' एजेंडे को मजबूत करेगा, विशेषकर आदिवासी/हिंदू बहुल क्षेत्रों में। यदि कोर्ट ईडी के पक्ष में फैसला देता है, तो 10-15 सीटों पर फायदा संभव; वोटर लिस्ट SIR विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोखिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल 294 सीटों में यह विवाद 20-30 सीटों तक सीमित रह सकता है, क्योंकि बंगाल में स्थानीय मुद्दे (बेरोजगारी, SIR, बांग्लादेश तनाव) हावी हैं। सवाल है कि इस विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटें कौन-कौन सी हैं तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटों का विश्लेषण वोटर लिस्ट विवाद (SIR योजना से 56 लाख नाम हटने) से जुड़ा है, न कि सीधे ईडी छापों से। ये वे सीटें हैं जहां वोटर अंतर कम (5,000 से कम) है और नाम हटने से टीएमसी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। प्रभावित क्षेत्र यानी 90 सीटें मुख्यतः दक्षिण बंगाल (हावड़ा, हुगली), उत्तर बंगाल (कूचबिहार, जलपाईगुड़ी), और कोलकाता उपनगरीय इलाकों में हैं।

ईडी विवाद इनमें टीएमसी को सहानुभूति दे सकता है, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार फोकस बढ़ाएगी। इस विवाद से प्रभावित होने वाली प्रमुख सीटें निम्नलिखित हैं: पहला, दक्षिण 24 परगना (30+ सीटें): बासिरहाट उत्तर, हरिर्पाड़ा, बस्ती हावड़ा-मुस्लिम बहुल, नाम हटने से 7.5% प्रभाव। दूसरा, उत्तर 24 परगना (20 सीटें): बिद्हन्नागर, राजारहाट, बारीसपुर-शहरी, मध्यम वर्ग असंतोष। तीसरा, हुगली-हावड़ा (15-20): चंद्रताल, सिंगुर, पानतड़स-2021 के करीबी मुकाबले। चतुर्थ, उत्तर बंगाल (15): माथाभांगा, तुलराम, फाल्टा-आदिवासी/राजबंशी प्रभावित। इससे साफ है कि नो रिस्क, नो गेन की सियासत जारी रहेगी।

पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदू लहूलुहान हो रहे हैं और दुनिया खामोशी से तमाशा देख रही है

-नीरज कुमार दुबे

> देखा जाये तो सिंध के उस किसान की लाश और छत्तोग्राम की उस किशोरी का शव सिर्फ दो खबरें नहीं हैं। वे दक्षिण एशिया के उस आईने की तरह हैं जिसमें कट्टरता, असहिष्णुता और सत्ता के संरक्षण में पनपती हिंसा साफ दिखाई देती है। पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार कोई नई बात नहीं है। जबरन धर्म परिवर्तन, जमीन हड़पना, झूठे मुकदमे और अब खुलेआम हत्या

पाकिस्तान के सिंध प्रांत से आई एक खबर ने पूरे दक्षिण एशिया की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। एक गरीब हिंदू किसान को केवल इसलिए गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाने का साहस कर लिया था। यह हत्या किसी अंधेरी गली में नहीं बल्कि खुले आम ताकत और दहशत के प्रदर्शन के रूप में हुई। मृतक किसान वर्षों से उसी जमीन पर रह रहा था, लेकिन स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति ने अपने रसूख और हथियार के बल पर कानून को कुचल दिया। इस निर्मम हत्या के बाद सिंध के कई इलाकों में भारी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। सड़कों पर उतरे हजारों लोगों ने नारे लगाए, रास्ते जाम किए और इंसाफ की मांग की। यह आक्रोश केवल एक व्यक्ति की हत्या का नहीं बल्कि दशकों से दबे हुए भय और अपमान का विस्फोट था।

उधर, बांग्लादेश में हालात और भी भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। बीते कुछ ही दिनों में वहां हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। छत्तोग्राम में एक हिंदू किशोरी का शव मिलने की घटना ने समाज को हिला कर रख दिया। आशंका है कि उसके साथ बलात्कार के बाद हत्या की गई। यह कोई एक मामला नहीं है बल्कि कुछ ही दिनों में हिंदुओं की कई हत्याओं की खबरें आई हैं। मंदिरों में तोड़फोड़, घरों में आगजनी, महिलाओं के साथ हिंसा और डर का माहौल वहां की रोजमर्रा की सच्चाई बनता जा रहा है। भारत ने इन घटनाओं पर कड़ी चिंता जताई है और बांग्लादेश सरकार से त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की है। लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि पीड़ितों को न सुरक्षा मिल रही है और न न्याय का भरोसा।

पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही देशों से आ रही ये खबरें यह साफ करती हैं कि वहां हिंदू अल्पसंख्यक होना आज भी एक खतरे के साथ जीने जैसा है। यह केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि देश और समाज दोनों की नैतिक हार है।

देखा जाये तो सिंध के उस किसान की लाश और छत्तोग्राम की उस किशोरी का शव सिर्फ दो खबरें नहीं हैं। वे दक्षिण एशिया के उस आईने की तरह हैं जिसमें कट्टरता, असहिष्णुता और सत्ता के संरक्षण में पनपती हिंसा साफ दिखाई देती है। पाकिस्तान में हिंदुओं पर अत्याचार कोई नई बात नहीं है। जबरन धर्म परिवर्तन, जमीन हड़पना, झूठे मुकदमे और अब खुलेआम हत्या। यह सब उस देश में हो रहा है जो खुद को इस्लामी गणराज्य कहता है और बराबरी का दावा करता है। सवाल यह है कि क्या वहां हिंदू की जान की कोई कीमत है?

बांग्लादेश की कहानी भी अब अलग नहीं रही। कभी जिसे धार्मिक सहिष्णुता का उदाहरण बताया जाता था, वही देश आज अल्पसंख्यक हिंदुओं के लिए असुरक्षित होता जा रहा है। एक के बाद एक हत्याएं, महिलाओं के साथ बर्बरता और प्रशासन की कमजोर प्रतिक्रिया यह बताती है कि समस्या केवल अपराधियों की नहीं बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी है। सबसे चिंताजनक पहलू अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी है। मानवाधिकार की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच, शक्तिशाली देश और संस्थाएं इन घटनाओं पर या तो औपचारिक बयान देकर चुप हो जाते हैं या पूरी तरह नजरें फेर लेते हैं। यह चुप्पी बहुत कुछ कहती है। यह दशार्ती है कि मानवाधिकार अब नैतिक मूल्य नहीं बल्कि सुविधा के अनुसार इस्तेमाल होने वाला हथियार बन चुके हैं। जहां आर्थिक हित, सामरिक समीकरण या राजनीतिक लाभ आड़े आते हैं, वहां इंसानी जान की कीमत शून्य हो जाती है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह चुप्पी पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों को और दुस्साहसी बनाती है। जब उन्हें पता होता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई ठोस दबाव नहीं बनेगा, तो अल्पसंख्यकों पर अत्याचार एक नियमित प्रक्रिया बन जाती है। वहीं भारत के लिए यह मुद्दा केवल भावनात्मक या धार्मिक नहीं है बल्कि रणनीतिक भी है। सीमापार अस्थिरता, कट्टरता और अल्पसंख्यकों का दमन क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत को इस विषय पर स्पष्ट, कठोर और निरंतर रुख अपनाना होगा। केवल बयान देना पर्याप्त नहीं है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को बार बार उठाना होगा, तथ्यों के साथ और दबाव के साथ। कूटनीति में शिष्टता जरूरी है लेकिन अन्याय के सामने नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। भारत को यह भी साफ कहना होगा कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी देश का आंतरिक मामला नहीं बल्कि सभ्य समाज की कसौटी है।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म/राज्य

बगावत से सुलगता ईरान, ट्रंप को सैन्य विकल्पों पर ब्रीफिंग

(एजेन्सी)।
वॉशिंगटन और तेहरान के बीच एक बार फिर माहौल गर्म होता दिख रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के खिलाफ नए सैन्य विकल्पों पर गोपनीय ब्रीफिंग दी गई। यह जानकारी द न्यूयार्क टाइम्स ने अमेरिकी प्रशासन से जुड़े कई अधिकारियों के हवाले से दी। यह ब्रीफिंग ऐसे समय हुई है जब ईरान के भीतर सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज हो चुके हैं और उनका असर देश के बाहर भी दिखने लगा है।

बता दें कि ईरान में ये प्रदर्शन दिसंबर के आखिर में शुरू हुए थे, जिनकी वजह मुद्रा संकट, बढ़ती महंगाई और जीवनयापन की कठिनाइयाँ बताई जा रही हैं। धीरे-धीरे ये आंदोलन केवल आर्थिक नाराजगी तक सीमित न रहकर सीधे ईरान की धार्मिक सत्ता व्यवस्था के खिलाफ चुनौती बन गया है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है, जबकि इंटरनेट पर लगभग पूरी तरह से रोक लगी हुई है।

गौरतलब है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने किसी तरह की नरमी के संकेत नहीं दिए हैं। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को और सख्ती से निपटने का संदेश दिया है। इसी कड़ी में ईरान के अटॉर्नी जनरल ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शनकारियों को ईश्वर का दुश्मन मानकर कठोरतम सजा दी जा सकती है, जो ईरानी कानून में मौत की सजा तक जाती है। इन विरोध प्रदर्शनों में कुछ जगहों पर ईरान के पूर्व शाह मोहम्मद रजा पहलवी के समर्थन में नारे भी सुनाई दिए हैं। उनके बेटे रजा पहलवी ने विदेश से ईरानियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है।

ईरान की सीमाओं के बाहर भी इसका असर दिख रहा है। लंदन में ईरानी दूतावास पर प्रदर्शन के दौरान पुराने लायन एंड सन झंडे को फहराया गया, जबकि पेरिस, बर्लिन और वॉशिंगटन में भी एकजुटता रैलियाँ देखी गई हैं। वॉशिंगटन की ओर से चेतावनी भरे बयान जारी हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि अगर ईरानी प्रशासन ने हिंसा और बढ़ाई तो जवाबी कदम उठाए जा सकते हैं, हालांकि जमीनी सेना भेजने से इनकार किया गया है। ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि अमेरिका ईरानी जनता के साथ खड़ा है। इसी बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत कर ईरान की स्थिति पर चर्चा की है। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि किसी भी सैन्य कार्रवाई में संतुलन बेहद जरूरी होगा, ताकि सरकार पर दबाव बने लेकिन आम जनता का रुख शासन के पक्ष में न जाए।

गौरतलब है कि करीब छह महीने पहले अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर मिडनाइट हैमर नाम से हमला किया था, जिसके बाद हालात और संवेदनशील हो गए थे। अब जब तेहरान की सड़कों पर फिर से विरोध के नारे गूंज रहे हैं, तो व्हाइट हाउस का अगला कदम इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरानी नेतृत्व प्रदर्शनकारियों को दबाने में कितनी दूर तक जाने को तैयार है।

इस्लामाबाद में गैस सिलेंडर विस्फोट में आठ लोगों की मौत

(एजेन्सी)।
पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार तड़के गैस सिलेंडर विस्फोट में मारे गए आठ लोगों में एक नवविवाहित दंपति भी शामिल था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सेक्टर जी-7/2 स्थित एक घर में शादी समारोह के दौरान हुई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि आठ लोग मारे गए और 11 घायल हो गए, बचाव दल ने मलबे से 19 लोगों को बाहर निकाला। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) प्रवक्ता डॉ. अनीजा जलील ने कहा कि पीड़ितों के इलाज के लिए आपात स्थिति घोषित की गयी थी।

इस्लामाबाद के अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) साहिबजादा यूसुफ ने मीडिया को बताया कि विस्फोट से कम से कम चार घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि मृतकों में दूल्हा और दुल्हन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गैस रिसाव के कारण सिलेंडर में विस्फोट हुआ था। उन्होंने बताया कि विस्फोट के बाद जो मकान ढह गया, उसमें शादी में आए कई मेहमान मौजूद थे। बचाव दल ने मलबे से उनमें से कई लोगों को जीवित निकाला। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

सीनेट सचिवालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। बयान में उनके हवाले से कहा गया, यह एक दिल दहला देने वाली घटना है, जिसने एक परिवार के लिए उत्सव को मातम में बदल दिया।

भारत के नए स्मार्टफोन सुरक्षा नियम: सोर्स कोड पर सरकार-कंपनियों में टकराव

(एजेन्सी)।
भारत सरकार और स्मार्टफोन कंपनियों के बीच एक नई खींचतान उभरती दिख रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार स्मार्टफोन निमार्ताओं के लिए कड़े सुरक्षा मानक लागू करने की तैयारी में है, जिसके तहत कंपनियों को अपने डिवाइस का सोर्स कोड सरकार के साथ साझा करना पड़ सकता है और सॉफ्टवेयर से जुड़ी कई अनिवार्य बदलाव करने होंगे। इस प्रस्ताव को लेकर एप्पल और सैमसंग जैसी दिग्गज कंपनियों ने अंदरखाने आपत्ति जताई।

बता दें कि यह प्रस्ताव नरेन्द्र मोदी सरकार की उस कोशिश का हिस्सा है, जिसके तहत बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड और डेटा चोरी की घटनाओं के बीच यूजर डेटा की सुरक्षा को मजबूत किया जा सके। गौरतलब है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार है, जहां करीब 75 करोड़ मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार सरकार द्वारा तैयार किए गए 83 सुरक्षा मानकों के मसौदे में यह भी शामिल है कि कंपनियां बड़े सॉफ्टवेयर अपडेट से पहले सरकार को इसकी सूचना दें। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक टेक कंपनियों का तर्क है कि इस तरह की शर्तों का कोई वैश्विक उदाहरण नहीं है और इससे उनके गोपनीय तकनीकी विवरण सार्वजनिक होने का खतरा है।

आईटी सचिव एस. कृष्णन ने कहा है कि उद्योग जगत की सभी जायज चिंताओं पर खुले मन से विचार किया जाएगा और फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। वहीं मंत्रालय के प्रवक्ता ने चल रही बातचीत का हवाला देते हुए टिप्पणी करने से इनकार किया है। गौरतलब है कि सरकार और टेक कंपनियों के बीच इस तरह का टकराव पहले भी सामने आ चुका है। हाल ही में सरकार को एक सरकारी साइबर सेफ्टी ऐप को अनिवार्य करने का आदेश वापस लेना पड़ा था, जबकि पिछले साल सुरक्षा कैमरों की कड़ी जांच को लेकर सरकार ने उद्योग की आपत्तियों को नजरअंदाज किया था।

कोहली का 93, केएल राहुल की फिनिश से जीता भारत

(एजेन्सी)।
वडोदरा की शाम रोमांच से भरपूर रही और मुकाबला आखिरी ओवर तक खिंचता चला गया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले वनडे में दर्शकों को उतार-चढ़ाव से भरा मुकाबला देखने को मिला, जहां एक समय जीत भारत की मुट्ठी में दिख रही थी, लेकिन अचानक दबाव बढ़ गया। हालांकि अनुभव और संयम के दम पर टीम इंडिया ने अंततः बाजी अपने नाम कर ली। बता दें कि 301 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत संतुलित रही। शुरूआती ओवरों में विकेट गिरने के बाद विराट कोहली और शुभमन गिल ने पारी को संभाला। गिल ने 56 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि विराट कोहली पूरे आत्मविश्वास में नजर आए और उन्होंने क्लासिकल शॉट्स के साथ स्कोरबोर्ड को लगातार गति दी।

गौरतलब है कि इस मुकाबले में विराट कोहली ने 91 गेंदों में 93 रन बनाए और अपने 85वें अंतरराष्ट्रीय शतक से महज सात रन दूर रह गए। इसी पारी के दौरान उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 28,000 रन पूरे किए और यह उपलब्धि हासिल करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बन गए। कोहली ने यह मुकाम 624 पारियों में हासिल किया, जो सचिन तेंदुलकर से 20 पारियां कम हैं।

मौजूद जानकारी के अनुसार कोहली के आउट होते ही मैच का रुख थोड़ा बदल गया और न्यूजीलैंड ने वापसी की कोशिश की। श्रेयस अय्यर 49 रन बनाकर आउट हुए, जबकि निचले क्रम में दबाव बढ़ता चला गया। इसी नाजुक मोड़ पर केएल राहुल ने जिम्मेदारी संभाली और बेहद शांत अंदाज में 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। राहुल की पारी में समझदारी और मैच फिनिश करने का अनुभव साफ नजर आया। इससे पहले न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 300 रन बनाए हैं। शुरूआती ओवरों में भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई लाइन-लेंथ रखी, लेकिन डेरिल मिशेल ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए 84 रन की अहम पारी खेली। उनके अलावा हेनरी निकोल्स और डेवोन कॉनवे ने भी अर्धशतक लगाए। भारत की ओर से हर्षित राणा और मोहम्मद सिराज ने अहम मौकों पर विकेट निकालकर रनगति पर लगाम लगाने की कोशिश की।

फोर्थ दिल्ली हेल्थ वारियर क्रिकेट टूर्नामेंट ट्रॉफी और स्पोर्ट्स डे धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया

संजना भारती संवाददाता
दिल्ली। गत् शनिवार को फोर्थ दिल्ली हेल्थ वारियर क्रिकेट टूर्नामेंट ट्रॉफी और स्पोर्ट्स डे बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास से इहबास हॉस्पिटल के खेल मैदान पर मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रहे मनोज तिवारी सांसद उत्तर पूर्वी दिल्ली से, विधायक अजय महावर घोड़ा विधान सभा, जिला अध्यक्ष यूके चौधरी (दिल्ली भाजपा), निगम पार्षद व चेयरमैन ईडीएमसी पुनीत शर्मा, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी गोकल पुर प्रवीण निमेष डायरेक्टर आर के धमीजा इहबास, डायरेक्टर जीटीबी/डीएससीआई विनोद कुमार, डॉ ऋषभ शर्मा इहबास हॉस्पिटल डीएसपीटीएफ के अध्यक्ष जयप्रकाश व मैनेजमेंट कमेटी के मेम्बर उदय, विकाश, प्रवीण, अवनीश, पुराण, स्वीटी व अन्य लोगों द्वारा खेल भावना, स्वास्थ्य जागरूकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 व स्पोर्ट्स डे का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दिल्ली भर से विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ पैरामेडिकल स्टाफ एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर जी टी बी हॉस्पिटल और डी एस सी आई के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच का आयोजन किया गया। मैच में डी एस सी आई हॉस्पिटल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया जी टी बी ने निर्धारित 15 ओवरों में 210 रनों का लक्ष्य रखा। इसके जवाब में DSCI की टीम ने जवाबी कार्यवाही करते हुए 108 रन बनाकर 9 विकेट खो दिए और GTB ने 101 रन से जीत हासिल की, जिससे उद्घाटन मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा।

एयरपोर्ट पर पैपराजी ने रणवीर सिंह को कहा 'धुरंधर

(एजेन्सी)। इन दिनों बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह अपनी फिल्म 'धुरंधर' की एक्सेस को एंजॉय कर रहे हैं। हाल ही में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपनी दोस्त स्नेहा रामाचंदर की शादी में शामिल होने के बाद न्यूयॉर्क से वापस आ गए हैं। रविवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर इस कपल को पैपराजी ने देखा और उनका स्वागत किया। दोनों ही साथ में काफी खुश नजर आए। दीपिका और रणवीर मैचिंग ब्लैक लेदर जैकेट और ब्लू जींस पहनकर एयरपोर्ट से बाहर निकले। दोनों ने चश्मा पहना हुआ था, शायद कैमरों की फ्लैश से अपनी आंखों को बचाने के लिए। कपल एक-दूसरे का हाथ पकड़े निकले दिखे। वहीं, रणवीर को देखकर पैपराजी अपनी एक्साइटमेंट पर कंट्रोल नहीं कर पाए। वो जोर-जोर से रणवीर को 'धुरंधर' बोलकर चिल्लाते दिखे। पैपराजी की इस हरकत को देखकर दीपिका के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है और अपनी कार में बैठकर चले जाते हैं। दोनों का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर यूजर्स दीपिका की स्माइल की तारीफ कर रहे हैं। इसके साथ ही रणवरीर को उनके फिल्म की सक्सेस के लिए उन्हें बधाई भी दे रहे हैं। धुरंधर ने पिछले 38 दिनों में दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर ?1200 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। आदित्य धर द्वारा निर्देशित, धुरंधर में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं, और इसमें अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे दमदार कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाई हैं। रणवीर पाकिस्तान के लयारी में गैंग्स में घुसपैठ करने वाले एक भारतीय जासूस का रोल निभा रहे हैं।

सिर्फ एक योगासन और पाएं पूरी

बॉडी के फैट से निजात

आज हर दूसरा व्यक्ति मोटापा से परेशान है। इसका मुख्य कारण खराब दिनचर्या, खानपान का ध्यान न रखना, जंक फूड आदि। वजन बढ़ जाने के कारण न जाने कितनी एक्सरसाइज, डाइटिंग बगैरह करते है। जिससे कि इस मोटापा से निजात मिल जाएं। अगर आप भी मोटापा से परेशान है, तो हम अपनी खबर में ऐसे योग के बारें में बताएंगे। जिसे करने से आप शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी से निजात पा सकते है। इस योगासन का नाम है वशिष्ठासन। इस आसन को करने के लिए आपकी बॉडी में काफी ताकत और लचीलापन होना चाहिए। इस आसन से आप अपनी हिप्स, थाइज, हाथ, कंधो और शरीर के बीच के हिस्सों का फैट कम करता है। साथ ही इस आसन को करने से बैलेंस और एकाग्रता भी बढ़ती है। ऐसे करें इस आसन को।

- सबसे पहले जमीन पर मैट डालकर पेट के बल सीधा लेट जाएं।
- चेहरे के बगल में अपनी हलेथियां रख दें। अब अपने दोनों पैरों को मोड़ लें इस तरह कि आपके पैर कि उंगलियां ऊपर की तरफ हों।
- अब हाथ को जमीन से ऊपर उठाएं और हिप्स को भी उठाने की कोशिश करें। इस तरह आप अधो मुखासन में आ जाएंगे।
- इसके बाद सांस अंदर लें, धड़ को नीचे की तरफ रखें। आपके कंधे और चेस्ट आपके हाथ के ऊपर होने चाहिए।
- अब धीरे-धीरे अपना वज़न दाएं हाथ पर डालें।
- अब धड़ को तिरछा करें और दाएं हाथ को उठाएं, दाएं घुटने को मोड़ें और बाएं हाथ से दाएं हाथ के पैर का अंगुठा पकड़ें।

- अपने वज़न को दाएं हाथ पर ले आएं और बाएं पैर को ऊपर उठाएं।
- अब अपनी पीठ के बाएं हिस्से को नीचे लाएं और फिर प्लैंक पोजिशन में आ जाएं। अब इसे दूसरी तरफ से करें। इस आसन को करने से थोड़े दिनों में ही आप मोटापा से निजात पा सकते है।
- इस आसन को करने के साथ-साथ कुछ सावधानी भी बरतनी चाहिए। यह आसन सभी लोग नहीं कर सकते है। इसके साथ ही इन बातों का रखें ख्याल।
- अगर आपकी कलाई या कंधे में किसी तरह की चोट लगी है तो इस एक्सरसाइज़ को करने से बचें।
- प्रेगनेंसी और पीरियड्स के दौरान महिलाएं इस आसन को न करें।

पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

मंदिरों के राज्य ओड़िसा में

आप कालक्रम के अनुसार मंदिरों का विकास देख सकते हैं। यहां छठी शताब्दी के मंदिर से लेकर 13वीं शताब्दी तक के मंदिर हैं। यहां तक कि आधुनिक मंदिर भी देखे जा सकते हैं। ओडिशा की राजधानी और मंदिरों का शहर है भुवनेश्वर। शानदार कोणार्क का सूर्य मंदिर और पुरी का जगन्नाथ मंदिर ओड़िसा का सुनहरा त्रिकोण बनाता है। 13वीं शताब्दी में बने कोणार्क के ये बेहतरीन स्मारक न सिर्फ विश्व विरासत हैं बल्कि वास्तुकला और मूर्तिशिल्प की बेजोड़ कारीगरी हैं।

यहां 480 किलोमीटर लम्बी तटरेखा एक तरफ पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश को भी छूती है। यहां के खूबसूरत और अनछुए समुद्री तट दर्शनीय हैं जैसे चांदीपुर, तलसारी, कोणार्क, रामचंडी, पुरी, गोपालपुर और पतीसोनापुर। एशिया की सबसे बड़ी झील चिलिका यही है। लगभग 1100 वर्ग किलोमीटर में फैली यह झील लाखों पक्षियों और ठंड में आने वाले प्रवासी पक्षियों का निवास भी है। यहां पर डॉलफिन को भी देखा जा सकता है।

ओड़िसा को प्रकृति का खजाना भी कहते हैं। यहां के लगभग 37 फीसद हिस्से में घना जंगल है। यहां दो राष्ट्रीय उद्यान सिमिलिपल और भितैरकनिका के अलावा 20 अभयारण्य भी हैं। सिमिलिपल में रॉयल बंगाल टाइगर और भितैरकनिका में

ओड़िशा में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। जैसे- पारंपरिक चीजें, पुराने समय जैसा माहौल। यह ऐसा राज्य है जहां खूबसूरत समुद्री तट, झीलें, अभयारण्य, बेहतरीन स्मारक, मनमोहक हस्तकला, पारंपरिक त्योहार और मेले, स्वादिष्ट व्यंजन सब मिलकर पर्यटकों को अविस्मरणीय स्मृतियां देता है। पारंपरिक रूप से ओड़िशा भगवान जगन्नाथ की भूमि मानी जाती है। यहां असंख्य मंदिर हैं।

मगरमच्छ (घड़ियाल) और माइग्रेटरी पक्षियों को देखा जा सकता है। भुवनेश्वर से सटा है नंदनकानन वन, जिसे जैविक पार्क कहते हैं जहां खत्म होते सफेद बाघ को बचाने की कोशिश की जा रही हैं।

ओड़िसा में त्योहार और मेले का आनंद लोग बेहद उत्साह से लेते हैं। पुरी की रथ यात्रा यहां के भव्य समारोहों में से एक है, जिसे देखने के लिए पूरे देश से पर्यटक और भक्त आते हैं। ओड़िसा में दूसरे त्योहार भी बड़े ही उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। जैसे धनुयात्रा, चदक मेला, दुर्गा पूजा और लक्ष्मी पूजा। यहां का कोणार्क नृत्य, श्रीक्षेत्र उत्सव, तोशाली नेशनल क्राफ्ट मेला पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। ओड़िसा का घुमरा नृत्य यहां के बेहतरीन लोक नृत्यों में से एक है।

यहां बेहतरीन ओडिशी नृत्य निराला है। यह यहां की वास्तुकला में भी देखने को मिलता है। यह नृत्य लगभग 2000 साल पुराना है और आज भी बेहरतीन नृत्यों में से एक है। लोक और आदिवासी नृत्य-संगीत ओडिशा की शोभा बढ़ाते हैं। यहां की 62 जनजातियां पहाड़ी क्षेत्रों में रहती हैं। इन जनजातियों का रहन-सहन यहां के निवासियों में भी दिखाई देता है। हाल ही में ओड़िसा को भारत के नौंवे सबसे बड़े क्षेत्र वाले राज्य का दर्जा हासिल हुआ है। ओडशिा सड़क, रेल, हवाई मार्ग यहां तक कि समुद्री यातायात से भी जुड़ा है। आप किसी भी मौसम में वहां जा सकते हैं। पूरी साल वहां का मौसम सुहावना रहता है।

विंटर में बच्चों के वार्डरोब को बनाएं स्टाइलिश

सर्दियां अपने चरम पर पहुंच रही हैं और आए दिन ठंडी हवाएं बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं। ऐसे में उनकी देखभाल करना काफी मुश्किल होता है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि अपने 4 साल से 10 साल तक के बच्चे को क्या पहनाएं जिससे कि वह स्टाइलिश दिखे और ठंड से भी बचे

स्टार्स जैसी कैप

आमतौर पर बच्चों को कैप पहनना पसंद नहीं आता और पैरंट उनके पीछे-पीछे कैप लेकर दौड़ते रहते हैं। अगर आपको भी ऐसा करना पड़ता है तो इससे बचने के लिए अपने बच्चे के लिए उसके पसंदीदा स्टार जैसी कैप लाकर दें। आजकल फिल्म स्टार्स तमाम तरह की कलरफुल कैप लगाकर नजर आ रहे हैं। बच्चों को अगर कोई ऐक्टर-ऐक्ट्रेस पसंद है, तो उस तरह की कैप दिलाएं। इस तरह की कैप वह जरूर पहनना पसंद करेंगे।

सॉक्स भी कलरफुल हों

बाजार में चमड़े, कपड़े और अलग-अलग मटीरियल से बने काले और सफेद जूतों के अलावा नीले, पीले, लाल रंग जैसे कई आकर्षक रंगों में शूज और सॉक्स मौजूद हैं। बच्चों की पसंद को समझकर उस तरह के शूज और सॉक्स खरीदें ताकि उनके पैरों ठंड से सुरक्षा मिल सके।

हुड जैकेट्स

बच्चों को ढेर सारे कपड़े पहनना अच्छा नहीं लगता है। वह कम मगर स्टाइलिश कपड़े पहनना चाहते हैं। ऐसे में बच्चों के लिए हूडेड जैकेट के ऑप्शन पर जाया जा सकता है। ये जैकेट्स जहां बच्चों को अपने कूल लुक की वजह से खूब भाती हैं, तो वहीं ये उन्हें स्टाइलिश लुक भी देती हैं। हूडेड जैकेट्स का एक फायदा यह भी है कि अगर बच्चों को गर्मी लग रही है, तो वह इसकी चेन खोल सकते हैं और ठंड ज्यादा है तो इसकी कैप ठंड से बचाने में साथ देती है।

पसंदीदा कार्टून की ले हेल्प

अगर बच्चा स्टाइलिश कपड़े भी नहीं पहन रहा है, तो उसके लिए कार्टून करैक्टर वाले कपड़े लाएं। बच्चों को अक्सर रंग-बिरंगे और कार्टून वाले कपड़े पसंद आते हैं। मार्केट में आजकल इस तरह के कई कपड़े उपलब्ध हैं। अच्छा रहेगा अगर उनके फेवरिट कार्टून करैक्टर वाले कपड़े लाएं। फिर तो वह खुद आपसे जिद करके यह कपड़े पहनेंगे।

जींस लुक होता है उन्हें पसंद

जींस का कपड़ा थोड़ा सा मोटा होता है जिस वजह से वह ठंड से बच्चों का बचाव करती है। इसे पहनकर बच्चे स्टाइलिश भी फील करते हैं और इसलिए इस कपड़े को पहनकर उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होती है। इसके साथ अगर बच्चों को आप गर्म जूते और लेदर की जैकेट पहना देंगी, तो बच्चे लगेंगे सबसे स्मार्ट।

यह यूनिसेक्शुअल है

लैगिंग्स को आमतौर पर लड़कियों का कपड़ा माना जाता है। मगर ठंड में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए लैगिंग्स मिलते हैं। यह लैगिंग्स काफी गरम, आरामदायक और फ्लेक्सिबल होते हैं। यह बच्चों के पैरों को गर्म रखते हैं और बच्चे बीमारी से दूर रहते हैं।

चाहते हैं बेहतर जीवनसाथी?

ऐसे करें चुनाव

बात चाहे लव मैरिज की हो या अरेंज मैरिज की, हर लड़की यही चाहती है कि उसे एक ऐसा जीवनसाथी मिले जो वास्तव में जीवनभर उसका साथ निभाए। उनका रिश्ता हमेशा फूलों की तरह महकता रहे और उसमें किसी प्रकार की परेशानियां या मतभेद पैदा न हों। लेकिन आमतौर पर ऐसा देखने को नहीं मिलता। बहुत से कपल्स तो शादी के तुरंत बाद ही छोटी-छोटी बातों पर लड़ने लगते हैं। अगर आप भी अपने लिए एक परफेक्ट पार्टनर ढूंढ रही हैं तो कुछ बातों का रखें ध्यान-

रिश्ते को दें तवज्जो

अगर आप किसी के साथ विवाह के बंधन में बंधने का फैसला ले रही हैं तो उससे पहले उस व्यक्ति का भी अपने रिश्ते में भरोसा व उसके प्रति सम्मान होना बेहद आवश्यक है। जब आप अपने भावी जीवनसाथी से बातचीत करें तो यह समझने की कोशिश करें कि वह अपने परिवार व वैवाहिक रिश्तों में तालमेल बिठा पाएगा या नहीं।

मुश्किलों से दूरी नहीं

आमतौर पर जब भी किसी कपल्स में मनमुटाव होता है तो वह सबसे पहले बातचीत करना बंद कर देते हैं। समस्या पर खुलकर बात करने व उसका एक हल निकालने की बजाय उसे यूं ही छोड़ देते हैं। इससे समस्या खत्म नहीं होती, बल्कि वास्तव में बढ़ती है। एक बेहतर पार्टनर वही होता है जो समस्या से दूर भागने की बजाय उसकी जड़ को समझकर उसका सही तरीके से हल निकाले।

छोटी-छोटी बातों पर ध्यान

जब कोई व्यक्ति अकेला होता है तो वह जीवन अपनी मर्जी से जीता है। लेकिन जब एक रिश्ता बनता है और उस रिश्ते में दो लोग होते हैं तो उसे बेहतर तरीके से निभाने के लिए दोनों को एक-दूसरे की छोटी-छोटी खुशियों, जरूरतों का ख्याल रखना होता है। मसलन, अगर आपको बेड पर तौलिया यूं ही छोड़ने की आदत है या फिर आप चीजों को इधर-उधर रख देते हैं लेकिन आपके पार्टनर को यह पसंद नहीं है। साथ ही इससे उन्हें दोगुनी मेहनत भी करनी पड़ती है तो उनकी खुशी के लिए आप कम से कम अपनी चीजों को सही जगह पर रखने की कोशिश करें। आपके छोटे-छोटे कदम रिश्ते के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

हिम्मत व समझदारी भी जरूरी

आपके पार्टनर का सिर्फ आपको प्यार करना ही काफी नहीं है, बल्कि रिश्ता जोड़ते समय आप यह भी अवश्य देखें कि वह वास्तव में कितना समझदार है। यह तो हम सभी जानते हैं कि जिंदगी एक धूप-छांव की तरह है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में जब भी आपकी लाइफ में मुसीबतें आएंगी तो वह अपनी हिम्मत और समझदारी का परिचय देते हुए उन मुश्किलों से स्वयं को और आपको बाहर निकाल लाएगा। साथ ही यदि वह समझदार होगा तो आपको कोई भी गलत फैसला लेने से पहले ही रोक लेगा। इतना ही नहीं, वह आप दोनों के भविष्य के लिए बेहतर प्लानिंग भी करेगा।

गलतियों पर भी हंसे

कभी-कभी हम अपने पार्टनर को गुस्से में कुछ ऐसा बोल देते हैं जो वास्तव में हम नहीं कहना चाहते या फिर अनजाने ही पार्टनर का दिल दुखा देते हैं। ऐसी स्थिति में भी यदि आपका पार्टनर उस बात को हंसकर टाल देता है तो समझ लीजिए कि वह आपसे वास्तव में प्यार करता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि आपके पार्टनर ने डिनर प्लॉन किया है और आपको ऑफिस में देर तक काम करने के लिए रूकना पड़ा है तो वह आप पर गुस्सा या नाराज होने की बजाय आपकी समस्या को समझे और आपसे लड़ने की बजाय आपसे आपकी व्यस्तता के बारे में पूछे। यह एक केयरिंग व सेसेंटिव पार्टनर की निशानी है।

स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने करनाल में अधिकारियों के साथ की बैठक

उपायुक्त, मेयर, निगम कमिश्नर व जिला परिषद सीईओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधानसभा स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। कल देर रात तक चली इस बैठक में घरौंडा में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं को लेकर चर्चा की गई तथा साथ ही नगर निगम व पंचायती राज विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से पंचायती राज, शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित मुख्यमंत्री घोषणा के कार्यों, मार्केट बोर्ड से जिला परिषद में तबदील हुई निर्समाणाधीन सड़कों बारे, विभिन्न गाँवों सदरपुर पीर बडोली, बल्हेडा, कैमला, बीजना, स्टोडी, रावर, नलीपार, खिराजपुर आदि में सरकार द्वारा मंजूर किए जा चुके उप स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण के स्टेट्स, विभिन्न गाँवों के निमार्णाधीन सामुदायिक केंद्रों के कार्यो में तेजी लाने तथा भविष्य के लिए प्रस्तावित कुछ निर्माण कार्य जैसे खेतो के रास्ते आदि के बारे में विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली गई। साथ ही घरौंडा विधानसभा के नगर निगम के अंतर्गत आने वाले इलाकों के विभिन्न विकास

कार्यों की भी समीक्षा की गई जिसमें फुसगढ़ छठ मैया घाट पर पार्क, शमशान घाट के कार्य, लाइब्रेरी हॉल, छठ मईया घाट पर जाने वाला रास्ता, फूसगढ में सामुदायिक भवन, अशोक विहार कॉलोनी मधुबन में सामुदायिक केंद्र निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश, मदनपुर में नए स्कूल के निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि में आ रही दिक़्क़त तथा कम्बोपुरा, दहो, सिरसी तथा वार्ड संख्या तीन व चार से संबंधित आगामी प्रस्तावित कार्यों को लेकर भी बैठक में बिन्दुवार चर्चा हुई। ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों व परियोजनाओं में जमीन आदि की दिक़्क़तों के संबंध मे दूसरे विकल्पों पर भी विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों से विचार विमर्श किया।

स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने अधिकारीयों से अलग-अलग कारणों से रुके हुए कार्यों की जानकारी लेते हुए बारीकी से उनके समाधान की चर्चा की तथा इन सभी परियोजनाओ को धरातल पर लाने व बचे हुए कार्यों के लिए एक रोड मैप तैयार करने के दिशा निर्देश दिए तय समय सीमा में सभी कार्य पुरे हो सकें और क्षेत्र के लोगो को उनका लाभ मिले।

सेन्ट्रल बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

भारतेंदु अकादमी और विनायक चेंबर के संयुक्त तत्वावधान में हुआ आयोजन

सेन्ट्रल बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए भारतेंदु अकादमी के पदाधिकारीगण। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। रविवार को भारतेंदु अकादमी के मैदागिन टाउनहॉल स्थित कार्यालय में भारतेंदु अकादमी और विनायक चेंबर के संयुक्त बैनर तले सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, महामंत्री, उपाध्यक्ष और कार्यकारणी सदस्यों का सम्मान हुआ।

भारतेंदु अकादमी के अध्यक्ष पं राजेन्द्र त्रिवेदी और विनायक चेंबर के विशाल सेठ ने सेन्ट्रल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, महामंत्री आशीष सिंह, उपाध्यक्ष द्वय नृपेन्द्र प्रताप सिंह नन्हें, जितेन्द्र यादव और कोषाध्यक्ष सुनील मौर्य को दुपट्टा, माला और विश्वनाथ जी चित्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए प्रेम प्रकाश सिंह गौतम ने कहा कि मेरे लिए अधिवक्ताओं का हीत सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, मुझसे अधिवक्ता हीत में जो भी संभव होगा करने का प्रयास करूंगो महामंत्री आशीष सिंह ने कहा कि अधिवक्ताओं के लिए आयुष्मान योजना और एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करवाने का प्रयास करुंगा।

स्वागत पं राजेन्द्र त्रिवेदी ने किया व धन्यवाद विशाल सेठ द्वारा किया गया संचालन गौतम कुमार झा ने किया। सम्मान समारोह में सेन्ट्रल बार के कार्यकारणी सदस्य अमित मालवीय,सत्य प्रकाश सिंह सुनील, राघवेन्द्र दूबे, अजय उपाध्याय, विवेक सिंह, नित्यानंद राय, विशाल सेठ, रविन्द्र त्रिवेदी, आकाश यादव बादल, विशाल साहू, मनोज कपूर, शिवेंद्र पाठक, रोशन गुजराती, एसपी यादव आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

पूर्व मुखिया हेमंत कुमार ने सैकड़ो जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का किया वितरण

संजना भारती संवाददाता

तेघडा। बेगूसराय के तेघड़ा प्रखंड अंतर्गत गौरा-एक पंचायत में रविवार को समाजसेवी हेमंत कुमार ने 1200 से अधिक जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। कड़ाके की ठंड को देखते हुए यह कार्यक्रम उनके निजी आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। हेमंत कुमार प्रखंड मुखिया संघ के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। इस अवसर पर हेमंत कुमार ने बताया कि वे पिछले 15 वर्षों से लगातार निस्वार्थ भाव से हर साल हजारों गरीब और असहाय लोगों को कंबल बांटते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों की सेवा करना उनका सामाजिक दायित्व है, जिसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभाते रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान उनके पिता बृजनंदन शर्मा ने अपने पुत्र पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हेमंत कुमार ने अपने परिश्रम से एक सफल व्यवसायी के साथ-साथ एक समाजसेवी के रूप में भी पहचान बनाई है। बृजनंदन शर्मा ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उनका पुत्र आगे भी इसी तरह गरीब और असहाय लोगों की सेवा करता रहे।

कंबल वितरण कार्यक्रम में गौरा-एक पंचायत के लगभग 1200 से अधिक लोगों को गर्म कंबल उपलब्ध कराए गए। इस आयोजन को सुबोध पाठक, प्रणव कुमार, रिकी कुमार, कौशल पाठक सहित दर्जनों कार्यकताओं के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

यातायात नियमों का पालन करें सभी जिलावासी : डीसी अपराजिता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता ने धुन्ध के दृष्टिगत सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

डीसी अपराजिता ने कहा कि स्कूलों, कालेजों के साथ-साथ आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्हें बताया जाए कि यदि हम नियमों का सही पालन नहीं करेंगे तो उनकी स्वयं की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है, वहीं समाज के अन्य लोगों को भी काफी प्रभावित करती है। हमें ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना चाहिए, ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाएं, जेब्रा क्रासिंग का सही उपयोग करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, सीट बेल्ट लगाए, सड़क पर लगे संकेतों का पालन करें, धीमी गति के संकेत को गंभीरता से लें। यातायात

उपायुक्त कैथल अपराजिता।

पुलिस लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह हमारी और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है।

डीसी ने कहा कि अभिभावक भी यह सुनिश्चित करें कि उनके नाबालिग बच्चे वाहन न चलाएं। ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग भी अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता से निभाएं।

ग्रीन पीस नेचर फाउंडेशन का पांचवां स्थापना दिवस सम्पन्न

समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता अधिवक्ता गौतम झा को सम्मानित करती हुई जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। 'पर्यावरण का रखो ध्यान तभी बनेगा भारत महान' के पुनीत संकल्प के साथ ग्रीन पीस नेचर फाउंडेशन का पांचवां स्थापना दिवस और कार्यकर्ता सम्मेलन कचहरी स्थित जिला पंचायत सभागार में रविवार को मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य और विशिष्ट अतिथि वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने कहा आज की सबसे बड़ी जरूरत पर्यावरण सुरक्षा को बताया, उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी, तभी हमलोग धरती के अस्तित्व को बचा पाएंगे। विशिष्ट अतिथि मोहित अग्रवाल ने कहा कि हमारी आगे की पीढी को साफ सुथरा पर्यावरण देना हम सबकी की जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर प्रमुख पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया गया जिनमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता अशफाक, मुमताज सेंट्रल बार के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह गौतम और महामंत्री आशीष सिंह, गौतम कुमार झा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष आरिफ सिद्दीकी, संयोजन/संचालन संस्थापक राजेश कुशवाहा, डॉ अजय मौर्य और नीरज कुमार शुक्ला तथा धन्यवाद ज्ञापन अभिलाष गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अभिषेक रघुवंशी, दुर्गा पटेल, संजय यादव, राहुल यादव, चंद्रप्रकाश पटेल, विजय जायसवाल आदि उपस्थित रहें।

सड़क सुरक्षा-जीवन की सुरक्षा: आर.टी.एम. सोसाइटी ने चलाया यातायात जागरूकता अभियान

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

सहसवान (बदायूं)। बढ़ती ठंड और घने कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज आर.टी.एम. सोसाइटी फॉर सोशल डेवलपमेंट द्वारा सहसवान के शहवाजपुर पुलिस चौकी चौराहे पर एक विशेष यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सोसाइटी के सदस्यों ने वाहन चालकों को सर्दी के मौसम में सावधानी बरतने के प्रति सचेत किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को सुरक्षित यातायात के नियमों से जोड़ना और कोहरे के दौरान दृश्यता कम होने से होने वाले हादसों को रोकना रहा।

सोसाइटी द्वारा जनपद बदायूं के युवाओं से विशेष अपील की गई कि वे वाहन हमेशा धीमी गति में चलाएं। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और कार चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग करें। इसके साथ ही, वाहनों पर रिफ्लेक्टर (रेडियम पट्टी) लगाने के महत्व को समझाया गया, ताकि खराब मौसम और कम दृश्यता में भी वाहन दूर से नजर आ सकें और दुर्घटना की संभावना कम हो। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शाहिद अली खान, अनवर खान, डॉ. राशिद अली खान, काशिफ खान और सहसवान ट्रैफिक इंचार्ज सुरेश कुमार त्यागी की विशेष सहभागिता रही। साथ ही, आर.टी.एम. सोसाइटी की डायरेक्टर रिदा खान के नेतृत्व में मुशीर अली, नीशू खान, आजम हुसैन, लाइबा खान, अबीर, साहिब एवं जुनैद ने सड़क पर चल रहे आमजन को रोककर उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

आर.टी.एम. सोसाइटी फॉर सोशल डेवलपमेंट समय-समय पर समाजहित के ऐसे कार्य करती रहती है। संस्था का मानना है कि थोड़ी सी सावधानी और नियमों का पालन करके अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है।

वार्ड 9 जींद चौक के सामने गली बदहाल, सिवरेज कार्य के बाद नहीं हुई रिपेयर

उखड़ी गली से बढ़े हादसे, नागरिकों ने मुख्यमंत्री व विभाग से की शीघ्र मरम्मत की मांग

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के वार्ड नंबर 9 में जींद चौक के सामने वाली गली की हालत बेहद खराब हो गई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कई दिन पहले सिवरेज पाइपलाइन डालने के लिए गली को उखाड़ा गया था, लेकिन कार्य पूरा होने के बावजूद अब तक गली की रिपेयर नहीं की गई है। इससे गली में चलना मुश्किल हो गया है और आए दिन दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। कई गलीवासी गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विभाग ने गली को उखाड़कर छोड़ दिया है और अब उसकी सुध नहीं ली जा रही। इससे लोगों में भारी रोष है। नागरिकों ने आरोप लगाया कि विभाग को गलीवासियों की परेशानियों की कोई परवाह नहीं है।

इस संबंध में वार्ड 9 के नागरिक पार्षद डॉ. संजय राणा, दर्शन सिंह, मोहन सिंह, अमन राणा, डिंपल राणा और कमल राणा सहित अन्य ने मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से मांग की

है कि बिना देरी किए गली की रिपेयर करवाई जाए, ताकि लोग सुरक्षित और सुगमता से आवाजाही कर सकें।

मामले को लेकर जब विभाग के जेई राहुल कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आ चुका है और बहुत जल्द गली की मरम्मत करवा दी जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि नागरिकों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

रोहेड़ा माजरा में खुंबी फार्म में आग से भारी नुकसान, बीकेयू एकता सिद्धपुर ने मुआवजे की उठाई मांग

शॉर्ट सर्किट से तीन झुग्गियां जलकर राख

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। बीकेयू एकता सिद्धपुर हरियाणा के प्योदा संयोजक होशियार सिंह गिल गांव रोहेड़ा माजरा पहुंचे और आग की घटना का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि गांव रोहेड़ा माजरा में गुरमीत और जितेंद्र द्वारा खुंबी फार्म का संचालन किया जा रहा था, जहां अचानक शॉर्ट सर्किट होने के कारण फार्म में बनी तीन झुग्गियां जलकर राख हो गईं। इस हादसे में किसानों को भारी नुकसान हुआ है। होशियार सिंह गिल ने कहा कि किसान पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं और इस तरह की घटनाएं उनकी कमर तोड़ देती हैं। उन्होंने समाज और सरकार से अपील की कि पीड़ित किसान भाइयों को हुए नुकसान की भरपाई जल्द से जल्द की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित मैनेजर पिछले सात महीनों से किसानों को चक्कर कटवा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उन्होंने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसान संगठन आंदोलन करने पर मजबूर होगा।

होशियार सिंह गिल ने बताया कि इस मामले को लेकर मंगलवार को उपायुक्त कैथल से मुलाकात कर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग रखी जाएगी।

मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया गया

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) 2026 के अंतर्गत रविवार को जिला निर्वाचन अधिकारी बदायूँ के दिशा निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 112 बिसौली, 113 सहसवान, 114 बिल्सी, 115 बदायूँ, 116 शेखूपुर, 117 दातागंज में सम्बंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीयों सहित आदि अधिकारीयों ने मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया।

जनपद बदायूँ की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 115 बदायूँ के मतदान केन्द्र इस्लामियां इण्टर कालिज के सभी मतदेय स्थल (मतदेय स्थल क्रमांक 220 से 229 तक) का निरीक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा किया गया। जिसमें सभी मतदेय स्थलों पर बी0एल0ओ0 तैनात पाये गये तथा आयोग के निर्देशानुसार दिनांक 06.01.2026 को आलेख्य मतदाता सूची को पढ़कर सम्बन्धित बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा नामावली में पंजीकृत मतदाताओं के नामों का सत्यापन कार्य किया गया। सभी बी0एल0ओ0 के पास पर्याप्त संख्या में फार्म-6, 7 व 8 घोषणा-पत्र सहित पाये गये।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी बी0एल0ओ0 को निर्देशित किया गया कि यदि किसी अर्ह मतदाता का नाम छूट गया है तो उसका फार्म-6 घोषणा पत्र सहित भरवायें तथा यदि मतदाता सूची में किसी का नाम, उम्र, लिंग आदि से सम्बन्धित कोई त्रुटि है तो उसका फार्म-8 घोषणा-पत्र सहित भरवायेंगे।

उक्त के अतिरिक्त समस्त बी0एल0ओ0 एवं सुपरवाईजर को मतदाता सूची की टेबल-टॉप एक्सरसाईज करते हुये सभी मतदाताओं फोटो एवं अन्य प्रविष्टियों को चेक करेंगे यदि किसी मतदाता का फोटो धुधली, काली, साइज में छोटी या अधिक पुरानी है तो सम्बन्धित मतदाता की नवीनतम फोटो अपडेट करायेंगे तथा यदि प्रविष्टियों में कोई विसंगति है तो फार्म-8 घोषणा पत्र सहित भरवाकर सही कराने हेतु निर्देश दिये गये। इसी प्रकार जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 112 बिसौली, 113 सहसवान, 114 बिल्सी, 115 बदायूँ, 116 शेखूपुर, 117 दातागंज में सम्बंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीयों, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीयों ने मतदेय स्थलों का भ्रमण किया।

संतोख माजरा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला की झुलसकर मौत

एसबी संवाददाता

राजौंद। गांव संतोख माजरा में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक एक मकान में आग लग गई। इस हादसे में करीब 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला उर्मिला गंभीर रूप से झुलस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय महिला घर में अकेली थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने काम से बाहर गए हुए थे।

जानकारी के अनुसार जैसे ही पड़ोसियों ने मकान से धुआं उठता देखा, उन्होंने तुरंत इसकी सूचना महिला के बेटे आशु को दी और पुलिस को भी अवगत कराया। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों की सहायता से बुजुर्ग महिला को कमरे से बाहर निकालकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतका के बेटे आशु के बयान के आधार पर इत्तेफाकिया (आकस्मिक) मौत की धाराओं के तहत कार्रवाई की है। आशु ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करता है और 9 जनवरी को रोज की तरह काम पर दूसरे गांव गया हुआ था। उसकी छोटी बहन डिपो से राशन लेने गई हुई थी। शाम के समय पड़ोसियों का फोन आने पर उसे घटना की जानकारी मिली।

आशु ने बताया कि बिजली की एक तार में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी उठी, जिससे कपड़ों में आग लग गई। उसकी माता चलने-फिरने में असमर्थ थी, जिस कारण वह आग से बचने के लिए उठकर एक तरफ नहीं हो सकी।

राजौंद थाना एसएचओ सतपाल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि महिला मानसिक रूप से भी थोड़ी परेशान रहती थी। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मामले में इत्तेफाकिया मौत की कार्रवाई की है।

कर्ण लेक पर राज्यपाल का संक्षिप्त प्रवास, जिला प्रशासन ने किया स्वागत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के राज्यपाल का शनिवार को करनाल स्थित कर्ण लेक टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स पर जिला प्रशासन की ओर से स्वागत किया गया। असंध के एसडीएम राहुल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर राज्यपाल का अभिनंदन किया। राज्यपाल राज्य दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मुरथल (सोनीपत) जाते समय शाम को कुछ देर के लिए कर्ण लेक पर रुके थे। उनके साथ धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष भी मौजूद थीं। इस दौरान राज्यपाल ने एसडीएम राहुल से करनाल के इतिहास और धान की खेती के बारे में जानकारी ली। उन्होंने यह भी पूछा कि करनाल का नामकरण कैसे हुआ। उल्लेखनीय है कि करनाल देश में

धान का कटोरा के रूप में विख्यात है। इस अवसर पर श्रवण एवं वाणी निशक्त केंद्र की चेयरपर्सन श्रीमती मेघा भंडारी ने भी राज्यपाल एवं उनकी धर्मपत्नी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। एडवोकेट विजय पाल ने राज्यपाल को पटका पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर नीलोखेड़ी के एसडीएम अशोक कुमार भी उपस्थित रहे।